



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 4, 1989 (कार्तिक 13, 1911)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 4, 1989 (KARTIKA 13, 1911)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय—सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—पाठ 1—रक्षा मंत्रालय को छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विवितर नियमों, विधियों तथा आदेशों, संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं .

763

भाग I—पाठ 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, सुनियोगों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .

1135

भाग I—पाठ 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और अधिकारियों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .

भाग I—पाठ 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, सुनियोगों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .

1603

भाग II—पाठ 1—अधिनियम, आव्यादेश और विधियम

\*

भाग II—पाठ 1—क—अधिनियमों, आव्यादेशों और विधियों का हिन्दी भाषा में प्राविहृत पाठ

\*

भाग II—पाठ 2—विदेशक तथा विदेशकों पर प्रबर समितियों के बिल तथा रिपोर्टे .

\*

भाग II—पाठ 3—उप—पाठ (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) प्रीर केन्द्रीय प्राविकरणों (संचार प्रावित सेवों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आवेदन और उपविधियों आदि भी शामिल हैं) .

\*

भाग II—पाठ 3—उप—पाठ (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर प्रीर केन्द्रीय प्राविकरणों (संचार प्रावित सेवों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं .

\*

भाग II—पाठ 3—उप—पाठ (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल हैं) प्रीर केन्द्रीय प्राविकरणों (संचार प्रावित सेवों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियों भी शामिल हैं) के हिन्दी अविहृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के पाठ 3 या पाठ 4 में प्रकाशित होते हैं) \*

भाग II—पाठ 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश \*

भाग III—पाठ 1—उच्च व्यायालयों, नियंत्रक और महानेत्रा वरीकां, संच लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध प्रीर अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं \*

967

भाग III—पाठ 2—पेटेन्ट कार्यालय द्वारा जारी भी गई पेटेन्टों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस शामिल हैं .

1047

भाग III—पाठ 3—मुक्त आयुक्तों के प्राविकार के अधीन अवलोकन द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं \*

भाग III—पाठ 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक नियमों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं .

1263

भाग IV—प्रीर—सरकारी व्यक्तियों और प्रीर—सरकारी, निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस .

157

भाग V—हिन्दी और हिन्दी शब्दों में जन्म और मृत्यु के आकड़ों को विभाग वाला बन्दुरक्षण

\*

\* जारी के प्राप्त तरही।

## CONTENTS

PART	SECTION	PAGE	PART	SECTION	PAGE
I	1—Notifications relating to Nos. Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	763	II	3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories).	958
I	2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1135	II	4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	1135
I	3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	III	1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	967
I	4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1603	III	2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1047
II	1—Acts, Ordinances and Regulations	—	III	3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
II	1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	—	III	4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1263
II	2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	—	IV	—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	157
II	3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	—	V	—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	—
II	3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	—			

## भाग I—खण्ड 1

### [PART I—SECTION 1]

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम स्थायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों सथा आवेदों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

#### राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 1989

सं. 80-प्रेज/89—राष्ट्रपति सहर्ष निवेश देते हैं कि श्री लंका में “पवन संक्रिया” में भारतीय शांति सेना के कार्यक्रमों की सेवा के अभिज्ञानार्थ “विशिष्ट सेवा मेडल” के साथ पहले जाने वाले कलास्प के संस्थापन के संबंध में 5 अगस्त, 1989 के भारत के राजपत्र के भाग-1. खण्ड-1 में प्रकाशित इस सचिवालय की 20 जुलाई, 1989 की अधिसूचना सं. 65-प्रेज/89 में निम्नलिखित संशोधन किया जाये :

पैरा 2 के उप पैरा (क) और (इ) में  
एक वर्ष —के स्थान पर  
90 वर्ष —पढ़ा जाये

सं. 81-प्रेज/89—राष्ट्रपति सहर्ष निवेश देते हैं कि श्री लंका में “पवन संक्रिया” में भारतीय शांति सेना के कार्यक्रमों की सेवा के अभिज्ञानार्थ “विशिष्ट सेवा मेडल” के साथ “श्री लंका” कलास्प दिए जाने के बारे में 5 अगस्त, 1989 के भारत के राजपत्र के भाग-1. खण्ड-1 में प्रकाशित इस सचिवालय की 20 जुलाई, 1989 की अधिसूचना सं. 66-प्रेज/89 में निम्नलिखित संशोधन किया जाये :

पैरा 2 के उप पैरा (क) और (इ) में  
एक वर्ष —के स्थान पर  
90 वर्ष —पढ़ा जाये

राजीव महर्षि,  
राष्ट्रपति का उप सचिव

कार्यक्रम कार्यालयन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1989

मं. 15(1)-89-धी० सू० का०—श्री जै० मैथ्यू, उप सलाहकार, कार्यक्रम कार्यालयन मंत्रालय बीस सूती कार्यक्रम प्रभाग, इस मंत्रालय की अधिसूचना सं. 15-1-89 धी० सू० का० दिनांक 5 मई, 1989 के अनुसार गठित (1) स्काल्य एवं परिवार कल्याण और (2) वानिकी उप समूह में अपने संबंधित क्षेत्रों में गृहात्मक प्रबोधन की लिए संतोषजनक मानकों के निष्पारिण हेतु श्री एम० रामचन्द्रन के स्थान पर नियन्त्रण के रूप में कार्य करें।

मं. 15(1)-89-धी० सू० का०—प्रामीण रोजगार स्काल्य एवं परिवार कल्याण, पैथ जल आपूर्ति/धानिकी और शिक्षा संबंधी पांच उप समूहों का गठन करने वाली इस मंत्रालय की दिनांक 5 मई, 1989 की सम सद्यक अधिसूचना में आंतरिक संशोधन करने द्वारा श्री एम० धी० अस्थाना, संयुक्त सचिव, प्रामीण विभाग, नई दिल्ली-110001, को वानिकी उप समूह के सदस्य के रूप में नामित किया गया हैं।

कल्याण विभाग, संयुक्त सचिव

#### गृह मंत्रालय

(राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1989

संकल्प :

सं. 1/20017/3-87-रा० भा०(क)-1—राजभाषा विभाग के 20 जनवरी, 1989 के संकल्प सं. 1/20017/3-87 दिनांक रा० भा०(क) के अधीन पुनर्जीवित केन्द्रीय हिन्दी समिति के सबस्यों में निम्नलिखित परिवर्तन किया जाता है :—

1. अमरसंदर्भा-6 पर “संचार मंत्री” के स्थान पर “संचार राज्य मंत्री” किया जाए।
2. अमर संदर्भा 20 पर “श्री धी० तुलसी राम, संसद सदस्य” के स्थान पर श्री “जै० चौक्सा राव, संसद सदस्य,” किया जाए।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भाषी राज्य सरकारों संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, भवित्वांडल निचिवालय, प्रधानमंत्री, कार्यालय, योजना आयोग, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महानेत्राकार, योक्सभा मञ्चिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण के सुनानाथ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

संबोधित श्रा०, निदेशक

#### विदेश मंत्रालय

(जवाहर पुरस्कार)

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर, 1989

संकल्प

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के लेखकों को विदेश मंत्रालय में संबद्ध विषयों पर हिन्दी में लिखी गई उनकी मौलिक कृतियों पर पुरस्कार देने के लिए “हिन्दी में मौलिक लेखन कार्य” के लिए विदेश मंत्रालय पुरस्कार योजना” धारा करने का रियाय किया जाए।

#### 2. उद्देश्य

इस योजना का मुख्य उद्देश्य राजनय, अन्तर्राष्ट्रीय महायोग, संधियों तथा कागर, विष्व शास्त्री, गुट नियन्त्रक आदि जैसे विदेश मंत्रालय के संबद्ध विषयों पर हिन्दी में लेखन को प्रोत्साहन देना है। इस पुरस्कार का नाम जवाहर पुरस्कार है।

#### 3. परिभाषा

इस योजना के अन्तर्गत हिन्दी में मौलिक लेखन की परिभाषा नीचे विद्ये अनुसार है :—

(क) प्रतियोगी द्वारा स्वयं हिन्दी में लिखा गया मौलिक लेखन कार्य :

(८) लेखन कार्य जो किसी अन्य लेखक द्वारा अन्य भाषा में लिखी गई पुस्तक का प्रतियोगी द्वारा अनुवाद नहीं हो :

(९) लेखन कार्य जो प्रतियोगी द्वारा किसी अन्य भाषा में किए गए भौतिक कार्य का पेशेवर अनुवादक द्वारा किया गया अनुवाद नहीं हो :

(१०) हिन्दी में लिखी गई कोई पुस्तक जिसे प्रतियोगी ने अपनी शासकीय हैसियत अथवा अपने सरकारी कार्य के अंतर्गत के रूप में नहीं लिया हो :

(११) पुस्तक जो प्रतियोगी द्वारा अथवा किसी अन्य पेशेवर अनुवादक द्वारा उस पुस्तक का अनुवाद नहीं हो जिसे प्रतियोगी द्वारा अपनी अथवा किसी अन्य भाषा में अपनी शासकीय हैसियत अथवा अपने सरकारी कार्य के अंतर्गत के रूप में लिया गया हो :

(१२) लेखन कार्य जो प्रतियोगी द्वारा अप्रेजी अथवा किसी अन्य भाषा में पूर्व लिखित और/अथवा प्रकाशित किया पुस्तक का स्वयं प्रतियोगी अथवा किसी अन्य भाषा में अपनी शासकीय हैसियत अथवा अपने सरकारी कार्य के अंतर्गत के रूप में लिया गया हो :

(१३) पुस्तक जो किसी सरकारी संविधा अथवा सरकारी मोजना के अन्तर्गत नहीं लिखी गई हो ।

#### ४. पालता

पुरस्कर योजना की पालता नीचे लिखे आधारों पर होगी :—

- पुस्तक भूलतः हिन्दी में लिखी होनी चाहिए ।
- भारतीय प्रतियोगी द्वारा लिखी गई पुस्तक पर विदेश मंत्रालय से संबंध होना चाहिए जैसे कि राजनय, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, संधियाँ, करार, विश्व शांति, गुद निरेपकाना आदि ।
- लेखन कार्य पूर्व पुरस्कारप्राप्त नहीं होना चाहिए और न ही उसे पहले किसी विस्तीर्ण सहायता मिली हो ।

#### ५. प्रतिष्ठिया

(क) सभी प्रकाशित पुस्तकें अथवा टंकित प्रतियाँ शीर्षों ही विचारार्थ स्वेच्छाकार की जाएंगी । निर्धारित प्रयत्न पर लेखकों को यह धोषणा करनी होगी कि पुरस्कार योजना के अन्तर्गत भेजी गई पुस्तक (पुस्तकों) उपर्युक्त पैरा ३ में दी गई परिभाषा के अनुकूल हैं ।

(ख) प्रतियोगी को निर्धारित प्रपत्र में अपने आवेदन के माध्यम सुनिश्चित अथवा टंकित अथवा फोटो प्रतियोगिता करनी होंगी । प्रविष्टि और आवेदन प्रपत्र विभिन्न भरकर विजेताघोषिकारी (हिन्दी), विदेश मंत्रालय, साउथ ब्लाक, नई दिल्ली-११००११ को सेजे जाएं ।

(ग) प्रतियोगी को अपनी पुस्तक के विषय के सार की पांच प्रतियाँ भी प्रस्तुत करनी होंगी ।

(घ) प्रविष्टि प्राप्त करने की अन्तिम तारीख प्रतिवर्ष अक्टूबर मास की अन्तिम कार्य दिवस होगी । निर्धारित तारीख के बाद प्रस्तुत फोटो गई पुस्तकों पर उस वर्ष के दौरान पुरस्कार देने के लिए विचार नहीं किया जाएगा ।

(ङ) जिन पुस्तकों पर एक बार पुरस्कार के प्रयोजनार्थ विचार किया जा चुका है उन पर बुवारा विचार नहीं किया जाएगा यदि । मूल्यांकन समिति किसी वर्ष के दौरान यह पाती है कि उस वर्ष कोई भी पुस्तक ऐसी नहीं है जिसे पुरस्कार दिया जाए तो उस वर्ष कोई पुरस्कार नहीं दिया जाएगा ।

(च) इस योजना के अन्तर्गत कोई भी प्रतियोगी उस वर्ष मूल्यांकन समिति का गदर्श बनने का पात्र नहीं होगा जिस वर्ष उसने पुरस्कार के प्रयोजनार्थ अपनी पुस्तक प्रस्तुत की हो ।

(झ) यदि पुस्तक कहीं और पुरस्कृत हो जूती हैं तो उस पर इस योजना के अन्तर्गत पुरस्कार दिये जाने के लिए विचार नहीं किया जाएगा । अपनी प्रविष्टि (प्रविष्टियों) भेजने समय लेखक को इस आशय का एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।

(ज) मूल्यांकन समिति का निर्णय अनिम्न होगा ।

#### ६. पुरस्कृत पुस्तक की खरीद

यदि पुरस्कृत पहले में ही मृदित हैं तो विदेश मंत्रालय कम नियमों के अनुसार अपेक्षित कमीशन पर बढ़ाकर पुस्तक की कुछ प्रतियोगी खरीदेगा । यदि पुरस्कृत पुस्तक का लेखक पुस्तक प्रकाशित करने में अमर्य हैं तो मंत्रालय उसके प्रकाशन की अवस्था किसी प्रकाशक के जरिए इस आवासन पर करेगा कि मंत्रालय उसके पुस्तक की 200 प्रतियोगी खरीदेगा ।

#### ७. पुरस्कार धनराशि

१. इस मंत्रालय में संबद्ध किसी विदेश पर मूलतः हिन्दी में लिखी गई पुस्तकों को प्रत्येक वर्ष तीन पुरस्कार दिये जायेंगे । पुरस्कार इस प्रयोजन के लिए गठित मूल्यांकन समिति की सिफारिश के आधार पर किये जायेंगे । पुरस्कारों की धनराशि नीचे लिखे जनुसार होगी :—

प्रथम पुरस्कार	10,000 रुपये
द्वितीय पुरस्कार	8,000 रुपये
तृतीय पुरस्कार	5,000 रुपये

२. यदि किसी वर्ष विदेश के दौरान मूल्यांकन समिति यह पाती है कि प्राप्त पुस्तकों वालिन स्तर की नहीं हैं, तो समिति उस वर्ष कोई भी पुरस्कार नहीं देने का निर्णय ऐसे सकती है ।

३. यदि कोई अप्रकाशित पुस्तक (पुस्तकों) पुरस्कार हेतु खुल ली जाती है तो पुरस्कार प्राप्तकर्ता (प्राप्तकर्ताओं) को पहले पुरस्कार की आवृत्ति धनराशि दी जाएगी । पुरस्कार की शेष रकम पुस्तक के प्रकाशन के बाद वी जाएगी ।

#### ८. कुछ अनिवार्य मुद्रे

१. इस योजना का मंत्रालय विवेश मंत्रालय करेगा ।

२. पुरस्कार योजना १९८९ से प्रारम्भ होगी और पुरस्कार प्रत्येक के लेण्डर वर्ष के लिए होंगे । लेकिन वर्ष १९८२ में अथवा उसके पश्चात विद्युत गई पुस्तकों पर भी वर्ष १९८९ के दौरान पुरस्कार हेतु विचार किया जाएगा ।

३. प्रत्येक कैलेन्डर वर्ष में प्रस्तुत की गई पुस्तक (पुस्तकों) का मूल्यांकन मंत्रालय की मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा जिसके पांच वदस्य होंगे जो हिन्दी के विभिन्न क्षेत्रों के लिए जाएंगे । समिति का निर्णय अनिम्न प्रत्येक वार्षिकर होगा तथा उसके लिए विचार नहीं किया जाएगा ।

४. यदि किसी पुस्तक (पुस्तकों) का भारत परकार, किसी राज्य सरकार, विवेशी सरकारों, अथवा किसी अन्य निकाय अथवा संगठन द्वारा उनके द्वारा संचालित किसी योजना के अधीन कोई पुरस्कार अथवा महायता मिली हो तो उस पुस्तक (पुस्तकों) पर पुरस्कार के लिए विचार नहीं किया जाएगा ।

५. किसी भी लेखक को एक कैलेन्डर वर्ष में एक से अधिक पुरस्कार नहीं दिये जायेंगे ।

#### ९. प्रविष्टियों आमतिन करने की क्रियाविधि

I. विदेश मंत्रालय देश के अंतर्जातीय/हिन्दी के प्रमुख समाजांतर्गतों में धार्य-मूल्यांकन का आरंभ प्रविष्टियों आमतिन करेगा । अधिसूचना प्रत्येक वर्ष अप्रैल मास में जारी की जाएगी ।



## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

## JAWAHAR PURASKAR

New Delhi, the 3rd October 1989

## RESOLUTION

No. Q/H/621/37/86.—The Ministry of External Affairs, Government of India, has decided to introduce a scheme 'Ministry of External Affairs Award for original writing in Hindi' to reward writers for their original works in Hindi on subjects related to the Ministry of External Affairs.

## 2. Objective :

The objective of the scheme is to encourage writing in Hindi on subjects pertaining to the MEA such as diplomacy, international cooperation, treaties and agreements, world peace, non-alignment etc. The award will be known as *Jawahar Puraskar*.

## 3. Definition :

An original writing in Hindi under this scheme is defined as :—

- (a) Work written originally in Hindi by the competitor himself,
- (b) Work which is not a translation by the competitor, of a book written in any other language by another writer,
- (c) Work which is not a translation by a professional translator of work originally written in another language by the competitor,
- (d) A book in Hindi which is not written by a competitor in his official capacity or as a part of his official work,
- (e) A book which is not the translation by the competitor or any professional translator of a book written in English or any other language by the competitor in his official capacity or as a part of his official work,
- (f) Work which is not a concise Hindi text prepared by the contestant himself or someone else of a book by the contestant in English or any other language written and/or published earlier, and
- (g) A book which has not been authored under a Government contract or a Government scheme.

## 4. Eligibility :

Eligibility for the award scheme will be on the following grounds :—

- (i) The book should be written originally in Hindi.
- (ii) The book written by an Indian competitor should be on a subject related to External Affairs such as diplomacy, international cooperation, treaties, agreements, world peace, non-alignment etc.
- (iii) The work should not have been awarded earlier nor should it have received financial assistance on an earlier occasion.

## 5. Entries :

Both published books or typed copies will be accepted for consideration. Writers will be required to declare on the prescribed proforma that the book(s) sent under the award scheme is (are) in accordance with the definition given in para 3 above.

- (b) The competitor will be required to submit printed or typed or photocopies of the entries along with his application in the prescribed form. Entries and application forms duly filled in should be sent to OSD (Hindi), Ministry of External Affairs, South Block, New Delhi-110 011.

- (c) The competitor will also be required to submit five copies of the short summary of his book.
- (d) The last date of receipt of entries will be the last working day of October every year. Entries received after the prescribed date will not be accepted for award during that year.
- (e) Entries once considered for the award will not be considered again. If the Evaluation Committee does not find any book worthy of an award during any year, no award will be given in that year.
- (f) No competitor under the scheme will be eligible to be a member of the Evaluation Committee for the year for which he submits his book for an award.
- (g) No book shall be considered for the award under this scheme if it has received an award elsewhere. The writer will have to submit a certificate to this effect along with his entry(ies).
- (h) The decision of the Evaluation Committee will be final.

## 6. Purchase of the awarded book :

If the book has already been printed, a certain number of copies of the book will be bought by the Ministry of External Affairs, according to the purchase rules after deducting the required commission.

If the writer of the awarded book is unable to get it published, the Ministry will try to arrange its publication by a publisher on the assurance that it (the Ministry) would buy 200 copies of the book.

## 7. Prize Money :

Three awards will be given for books written originally in Hindi on a subject related to this Ministry, each year. The awards will be based on the recommendation of the Evaluation Committee constituted for the purpose. The awards will be as follows :—

- First Prize—Rs. 10,000/-.
- Second Prize—Rs. 8,000/-.
- Third Prize—Rs. 5,000/-.

2. If during a particular year, the Evaluation Committee finds that the books received are not of a desired standard, the Committee may decide not to give any award for that year.

3. If any unpublished book(s) is (are) selected for the award, the awardee(s) will be given half the amount of the prize money in the first instance. The remaining amount will be given after the publication of the book.

## 8. Some additional points :

(1) This scheme will be run by the Ministry of External Affairs.

(2) The award scheme will commence from 1989 and awards will be given for every calendar year. But books written or published in 1982 and thereafter will also be considered for the award during the year 1989.

(3) Book(s) submitted during each calendar year will be assessed by an Evaluation Committee of the Ministry comprising five members from different fields of Hindi. The decision of the Committee will be final and binding and to appeal against it will be entertained.

(4) If any book(s) has (have) received award or assistance from the Government of India, any State Government, foreign Governments, or any other body or organisation under any scheme run by them, it (they) will not be considered for the award.

(5) No writer will be given more than one award in one calendar year.

*9. Procedure for inviting entries:*

(1) Ministry of External Affairs will invite entries through a notification in the leading English/Hindi newspapers of the country. The notification will be issued in April every year.

(2) Authors/competitors will send five copies of application in the prescribed proforma to OSD(Hindi), Ministry of External Affairs, New Delhi. Ms/published books will also be sent for consideration along with the application.

*10. Evaluation Committee*

(1) There will be an Evaluation Committee for assessing the books/Ms under the scheme.

(2) The Evaluation Committee will comprise five members (including the Chairman). It will be constituted by the Secretary in the Ministry of External Affairs.

If the Committee so desires, it can co-opt up to two experts to help in the evaluation work.

(3) Every member/expert of the Committee, and every official of the Ministry looking after the work of the scheme, will be given an honorarium duly fixed by the Ministry of External Affairs for assessing the Ms/books of the competitors.

(4) If a member of the Evaluation Committee, or any person related to him sends any entry, he will cease to be a member of the Evaluation Committee.

(5) Award will be announced after the recommendations of the Evaluation Committee have been accepted by this Ministry.

*11. Others:*

Prizes will be given every year under this scheme. The Ministry, however, reserves the right to introduce modifications in the scheme as and when required.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat and all Ministries and Departments of Government of India, all State/Union Territory Governments, all Indian Missions abroad, all Passport Offices, all Universities and news agencies in India.

ORDERED further that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

DEEPAK RAY, Director.

**MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT**

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 27th September 1989

**NOTIFICATION (24)**

No. F.1-23/88 T-13/T.D.5.—On the recommendations of the Chairman Board of Assessment for Education Qualifications, the Government of India has been pleased to recognise provisionally the 2 years Post-Diploma (Advance Technician) in Rural Technology & Management offered by the M.P. Board of Technical Education, Bhopal in respect of students passing out from the Government Polytechnic, Khurai for the purpose of recruitment to superior posts and services under the Central Government in the appropriate field w.e.f. 01-11-88 for a period of two years.

M. M. CHOUDHURY, Asstt. Educational Adviser (T).

